पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग),
भारत सरकार

****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, कार्तिक 01, 1945
सोमवार, अक्टूबर 23, 2023

रक्षा मंत्री पहुंचे तेजपुर, असम; अरुणाचल प्रदेश में सैनिकों के साथ मनाएंगे दशहरा

श्री राजनाथ सिंह ने तेजपुर में बड़ाखाना के दौरान चौथी कोर के अधिकारियों और सैनिकों के साथ की बातचीत

सशस्त्र बलों और उनके परिवारों को उनके बलिदान और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सराहा

अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा से पहले रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह सैनिकों के साथ दशहरा मनाने और शस्त्र पूजा करने के लिए अक्टूबर 23, 2023 को असम के तेजपुर पहुंचे। तेजपुर में चौथी कोर के मुख्यालय में आयोजित बड़ाखाना के दौरान, रक्षा मंत्री ने सैनिकों के साथ बातचीत की। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे; पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता; इस अवसर पर चौथी कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में, श्री राजनाथ सिंह ने बड़ाखाना की सराहना करते हुए कहा कि यह सभी रैंकों को एक परिवार के रूप में सहभोज के लिए साथ लाता है। उन्होंने कहा, 'इस बड़ाखाना में आपके बीच होना दर्शाता है कि हम अपने पदों से बढ़कर हैं, हम एक परिवार हैं और एक साथ हम अपने देश के रक्षक हैं।

रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना को भाईचारे और एकता का एक सच्चा उदाहरण बताया क्योंकि वे विभिन्न राज्यों, धर्मों और पृष्ठभूमि से होने के बावजूद एक ही बैरक और इकाई में एक साथ रहते हैं तथा मिलकर काम करते हैं। श्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के बलिदान की सराहना की, और साथ ही मातृभूमि की सुरक्षा सदैव सुनिश्चित करने के लिए भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हमेशा बहादुर सैनिकों का ऋणी रहेगा।

श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी और प्रतिबद्धता को पूरी दुनिया में माना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का कद बढ़ा है, और एक मजबूत एवं बहादुर सेना इस प्रगति के पीछे के मुख्य कारणों में से एक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत 2027 तक विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।

रक्षा मंत्री ने अपनी हालिया इटली यात्रा को याद किया, जिसके दौरान उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में इतालवी अभियान में लड़ने वाले नायक यशवंत घाडगे और अन्य भारतीय सैनिकों के सम्मान में हाल ही में बने मोंटोन स्मारक (पेरुगिया प्रांत) पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उन्होंने उन भारतीय सैनिकों के योगदान का भी उल्लेख किया जो संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के माध्यम से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में शांति और सुरक्षा बनाए रखते हैं।

एबीबी/एसएस